SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

RRB Section Controller (Railways)

सेक्शन कंट्रोलर भारतीय रेल का वह अधिकारी है जो नियंत्रण कक्ष में बैठकर अपने खंड (सेक्शन) की गाड़ियों का संचालन निर्देशित करता है — कौन-सी गाड़ी कहाँ रुकेगी, किसे पहले निकाला जाएगा, कहाँ क्रॉसिंग होगी, और किसी विलंब अथवा व्यवधान...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/rrb-section-controller

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

सेक्शन कंट्रोलर भारतीय रेल का वह अधिकारी है जो नियंत्रण कक्ष में बैठकर अपने खंड (सेक्शन) की गाड़ियों का संचालन निर्देशित करता है — कौन-सी गाड़ी कहाँ रुकेगी, किसे पहले निकाला जाएगा, कहाँ क्रॉसिंग होगी, और किसी विलंब अथवा व्यवधान की स्थिति में पूरा क्रम कैसे पुनः व्यवस्थित होगा। रेलवे की भाषा में यह वह व्यक्ति है जो पटरी पर न होते हुए भी गाड़ियाँ चलाता है। यह पद स्नातक स्तर का है और उसकी ज़िम्मेदारी सीधे संरक्षा से जुड़ी है, इसलिए रेलवे इसके लिए अपना सबसे कड़ा चिकित्सा मानक — ए-2 — लागू करता है। इसी कारण इस पद पर एक शर्त है जिसे आवेदन से बहुत पहले जान लेना आवश्यक है: जिन अभ्यर्थियों ने लेसिक शल्य क्रिया अथवा दृष्टि-दोष सुधारने की कोई अन्य शल्य प्रक्रिया कराई है, वे इस पद के लिए पात्र नहीं हैं। सी.ई.एन. 03/2026 में सभी रेलवे भर्ती बोर्डों को मिलाकर 119 रिक्तियाँ अधिसूचित हुईं।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	विश्वविद्यालय की स्नातक उपाधि अथवा उसके समकक्ष। साथ में चिकित्सा मानक ए-2 — तथा लेसिक अथवा दृष्टि-दोष सुधारने की कोई अन्य शल्य क्रिया करा चुके अभ्यर्थी पात्र नहीं
भर्ती संस्था	रेलवे भर्ती बोर्ड (आर.आर.बी.), रेल मंत्रालय — सी.ई.एन. सं. 03/2026
आयु-सीमा	20 से 33 वर्ष (सी.ई.एन. 03/2026 में 01.07.2026 को गणना) — ध्यान दें कि न्यूनतम आयु 20 है, 18 नहीं
आरंभिक वेतन	केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 6 — आरंभिक वेतन ₹35,400 (सातवाँ वेतन आयोग), अधिसूचना की रिक्ति-तालिका में स्पष्ट रूप से दिया गया
माँग	सी.ई.एन. 03/2026 में सभी बोर्डों को मिलाकर 119 रिक्तियाँ — यह छोटा एवं विशिष्ट संवर्ग है

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- व्यवस्था, क्रम एवं समय-सारणी के साथ काम करने में रुचि
- रेलवे के संचालन-तंत्र को समझना
- नियंत्रण कक्ष का वातावरण एवं तत्काल निर्णय लेना

क्षमताएँ

- एक साथ कई गाड़ियों की स्थिति मन में रखने की क्षमता — यह इस पद का मूल कौशल है
- स्पष्ट एवं संक्षिप्त संप्रेषण, क्योंकि निर्देश बोलकर दिए जाते हैं और उनमें अस्पष्टता की जगह नहीं
- दबाव में शांत रहकर तुरंत निर्णय लेना, क्योंकि विलंब का असर पूरे खंड पर पड़ता है

ज़रूरी कौशल

- रेलवे की संचालन प्रक्रियाएँ एवं संरक्षा नियम — भर्ती के बाद प्रशिक्षण में सिखाए जाते हैं
- समय-सारणी एवं मार्ग की व्यावहारिक जानकारी
- संचार उपकरणों का प्रयोग एवं संदेश-अभिलेख
- नियंत्रण चार्ट पढ़ना एवं बनाना
- आपात स्थिति में क्रम पुनः व्यवस्थित करना
- सतर्कता बनाए रखना — पाली लंबी होती है एवं ध्यान भटकने की गुंजाइश नहीं

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 किसी भी संकाय से उत्तीर्ण करें, फिर किसी भी विषय में स्नातक करें। अधिसूचना केवल विश्वविद्यालय की स्नातक उपाधि अथवा उसके समकक्ष माँगती है और विषय की कोई शर्त नहीं रखती — कला, वाणिज्य एवं विज्ञान तीनों से यह राह समान रूप से खुली है।
2. दृष्टि की जाँच सबसे पहले कराएँ, और यह इस पृष्ठ की सबसे महत्त्वपूर्ण सलाह है। इस पद पर चिकित्सा मानक ए-2 लागू होता है, जो रेलवे का सबसे कड़ा मानक है, और अधिसूचना स्पष्ट शब्दों में कहती है कि जिन अभ्यर्थियों ने लेसिक शल्य क्रिया अथवा दृष्टि-दोष सुधारने की कोई अन्य शल्य प्रक्रिया कराई है वे इस पद के लिए पात्र नहीं हैं। यह शर्त स्थायी है और इसमें कोई छूट नहीं। दस्तावेज़ सत्यापन के समय इस बारे में स्व-घोषणा भी देनी होती है।
3. इस शर्त का व्यावहारिक अर्थ समझ लेना आवश्यक है, क्योंकि यह उन लोगों को प्रभावित करती है जिन्होंने कुछ भी ग़लत नहीं किया। दृष्टि-दोष सुधारने की शल्य क्रिया एक सामान्य एवं समझदारी भरा निर्णय है और बहुत-से युवा उसे करा चुके होते हैं। पर रेलवे के इस पद के लिए वह द्वार स्थायी रूप से बंद कर देती है। यदि आप इस पद पर जाना चाहते हैं और अभी शल्य क्रिया कराने पर विचार कर रहे हैं, तो यह निर्णय जानकारी के साथ लें — बाद में यह पलटा नहीं जा सकता। विस्तृत मानक भारतीय रेल चिकित्सा नियमावली (आई.आर.एम.एम.) खंड-1 के अध्याय 5 में हैं, और अधिसूचना स्वयं उसे पढ़ने की सलाह देती है।

4. आयु 20 से 33 वर्ष के बीच होनी चाहिए, जिसकी गणना सी.ई.एन. 03/2026 में 01.07.2026 को की गई। ध्यान दें कि न्यूनतम आयु 20 है, 18 नहीं — यह इस पोर्टल की अधिकांश केंद्रीय भर्तियों से भिन्न है। ऊपरी सीमा 33 वर्ष उदार है और वह स्नातक पूरा करने के बाद कई वर्ष का समय देती है।
5. आवेदन करते समय केवल एक रेलवे भर्ती बोर्ड चुनें। अधिसूचना कहती है कि एक ही पे लेवल के पद के लिए एक से अधिक आवेदन — चाहे अलग-अलग बोर्डों को हों अथवा एक ही को — गंभीर परिणाम रखते हैं।
6. आर.आर.बी. की वेबसाइट पर सी.ई.एन. आने पर ऑनलाइन आवेदन करें। राजस्थान के अभ्यर्थियों के लिए सम्बन्धित बोर्ड आर.आर.बी. अजमेर है।

प्रमुख परीक्षाएँ

- इस पद के बारे में सबसे पहले चिकित्सा मानक की बात करना उचित है, क्योंकि वह सबसे अधिक लोगों को प्रभावित करती है और सबसे कम बताई जाती है। सेक्शन कंट्रोलर पर ए-2 मानक लागू होता है — रेलवे का सबसे कड़ा। इसका कारण पद की प्रकृति है: यह व्यक्ति गाड़ियों के आवागमन को निर्देशित करता है, इसलिए दृष्टि एवं रंग-दृष्टि की शर्तें कठोर हैं। अधिसूचना यह भी कहती है कि दिया गया मानक सांकेतिक है, संपूर्ण नहीं, और अभ्यर्थियों को भारतीय रेल चिकित्सा नियमावली का अध्याय 5 पढ़ना चाहिए। जो अभ्यर्थी दृष्टि से जुड़ी कोई स्थिति रखते हैं, उनके लिए आवेदन से पहले यह पढ़ना समय की बचत है, हानि नहीं।
- योग्यता की शर्त इसके विपरीत बहुत सरल है और यही इस पद का आकर्षण है: विश्वविद्यालय की स्नातक उपाधि अथवा उसके समकक्ष, विषय की कोई शर्त नहीं। अधिसूचना इसे "स्नातक पद" कहकर एक ही पंक्ति में निपटा देती है। इस पोर्टल की कई अन्य भर्तियों से तुलना करें, जहाँ योग्यता पद-वार बदलती है अथवा विशिष्ट शाखा माँगी जाती है — यहाँ कोई भी स्नातक पात्र है। अर्थात् जो चीज़ इस पद पर छाँटती है वह शिक्षा नहीं, चिकित्सा मानक एवं परीक्षा है।
- वेतन इस छोटे संवर्ग के लिए उल्लेखनीय रूप से अच्छा है: पे मैट्रिक्स लेवल 6, आरंभिक वेतन ₹35,400 — वही स्तर जो कनिष्ठ अभियंता का है, पर वहाँ तीन वर्ष का तकनीकी डिप्लोमा चाहिए और यहाँ कोई भी स्नातक डिग्री। जो विद्यार्थी सामान्य स्नातक कर रहा है और तकनीकी योग्यता नहीं रखता, उसके लिए लेवल 6 तक पहुँचने के रास्ते सीमित हैं, और यह उनमें से एक है। एक सावधानी: पे मैट्रिक्स के स्तर की संख्या राज्य एवं केंद्र में एक जैसी नहीं होती; तुलना रुपये से करें, स्तर की संख्या से नहीं।
- लेसिक शल्य क्रिया वाली शर्त को अलग से दोहराया जा रहा है क्योंकि वह किसी भी सारांश में लगभग कभी नहीं मिलती और उसका परिणाम अंतिम होता है। अधिसूचना के शब्द हैं कि जिन अभ्यर्थियों ने लेसिक शल्य क्रिया अथवा दृष्टि-दोष सुधारने की कोई अन्य शल्य प्रक्रिया कराई है, वे सेक्शन कंट्रोलर के पद के लिए पात्र नहीं हैं, और दस्तावेज़ सत्यापन के समय इस विषय में निर्धारित प्रपत्र पर स्व-घोषणा देनी होती है। अर्थात् यह वह शर्त नहीं है जिसे चुपचाप पार किया जा सके।
- संवर्ग छोटा है और यह जान लेना चाहिए: सी.ई.एन. 03/2026 में सभी रेलवे भर्ती बोर्डों को मिलाकर कुल 119 रिक्तियाँ अधिसूचित हुईं। तुलना के लिए, उसी अवधि की सी.ई.एन. 04/2026 में कनिष्ठ अभियंता एवं डिपो सामग्री अधीक्षक की 3,993 रिक्तियाँ थीं। अर्थात् यह एक विशिष्ट एवं सीमित भर्ती है, और उसे इसी रूप में योजना में रखना चाहिए — एक ही पद पर निर्भर न रहें। अधिसूचना यह भी बताती है कि इस सी.ई.एन. में दिव्यांगजन (पी.डब्ल्यू.बी.डी.-एल.डी.) पात्र तो हैं, पर उनके लिए कोई रिक्ति नहीं है।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- University of Rajasthan and the state universities — a graduation in any subject qualifies — जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, अजमेर एवं कोटा (https://uniraj.ac.in/)
- Government colleges across Rajasthan — B.A., B.Com. and B.Sc. at very low fees — लगभग हर ज़िले में (https://hte.rajasthan.gov.in/)
- Vardhman Mahaveer Open University, Kota — for completing a graduation alongside work — कोटा, राजस्थान (https://www.vmou.ac.in/)

ऑनलाइन

- रेलवे भर्ती बोर्ड — सी.ई.एन. एवं अधिसूचनाएँ (अपना बोर्ड चुनें) — चिकित्सा मानक एवं लेसिक सम्बन्धी शर्त यहीं से पढ़ें (https://rrb.indianrailways.gov.in/)
- भारतीय रेल — रेल मंत्रालय; भारतीय रेल चिकित्सा नियमावली का अध्याय 5 यहीं उपलब्ध है — चिकित्सा मानक का विस्तृत विवरण (https://indianrailways.gov.in/)
- आर.आर.बी. अजमेर — राजस्थान को कवर करने वाला बोर्ड — अजमेर, राजस्थान (https://rrb.indianrailways.gov.in/ajmer/header/overview)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

शैक्षणिक लागत एक साधारण स्नातक की है और राजस्थान के राजकीय महाविद्यालयों में वह बहुत कम है — बी.ए., बी.कॉम. अथवा बी.एससी. लगभग हर ज़िले में उपलब्ध है, और विषय की कोई शर्त न होने से कोई महँगा पाठ्यक्रम आवश्यक नहीं। यदि पढ़ाई काम के साथ करनी हो तो वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा से स्नातक किया जा सकता है। इस पद पर जो एक "लागत" सबसे अधिक मायने रखती है वह पैसे की नहीं है: दृष्टि की जाँच। यह जाँच सस्ती है और किसी भी नेत्र चिकित्सक से कराई जा सकती है, और उसे तैयारी आरंभ करने से पहले करा लेना चाहिए — क्योंकि इस पद का सबसे कड़ा द्वार चिकित्सा मानक है, परीक्षा नहीं। जिसने दृष्टि-दोष सुधारने की शल्य क्रिया करा रखी है वह पात्र नहीं है, और यह जान लेना तैयारी के महीने बचा सकता है। तैयारी के लिए महँगी कोचिंग आवश्यक नहीं — रेलवे भर्ती बोर्ड सी.ई.एन. एवं परीक्षा से जुड़ी सारी जानकारी अपनी वेबसाइट पर निःशुल्क प्रकाशित करता है। एक चेतावनी: भर्ती दिलाने का दावा करने वाले किसी बिचौलिये को पैसा न दें — चयन केवल कंप्यूटर आधारित परीक्षा एवं उसके बाद के चरणों से होता है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

क्षेत्रीय रेलवे के मंडल नियंत्रण कक्ष — राजस्थान के लिए मुख्यतः उत्तर पश्चिम रेलवे, जिसका मुख्यालय जयपुर में है। काम पूरी तरह नियंत्रण कक्ष के भीतर होता है और चौबीसों घंटे पालियों में चलता है।

कार्य-संस्कृति

नियंत्रण कक्ष का काम रेलवे के किसी भी अन्य पद से भिन्न है और उसे समझ लेना चाहिए। सेक्शन कंट्रोलर अपनी पूरी पाली एक मेज़ पर बिताता है, पर वह मेज़ उस खंड का केंद्र होती है: गाड़ियाँ कहाँ हैं, कौन-सी विलंब से है, कहाँ क्रॉसिंग करानी है, किस मालगाड़ी को रोककर सवारी गाड़ी निकालनी है — ये निर्णय उसी के होते हैं और तत्काल लेने पड़ते हैं। दबाव मानसिक है, शारीरिक नहीं, और वह निरंतर रहता है: एक गाड़ी का विलंब आगे कई गाड़ियों पर फैलता है, इसलिए हर निर्णय का परिणाम तुरंत दिखता है। पाली में काम होता है और रात की पाली सामान्य है, क्योंकि रेलवे कभी रुकती नहीं। सतर्कता बनाए रखना इस पद का सबसे कठिन भाग है — लंबी पाली में ध्यान भटकने की गुंजाइश नहीं होती, क्योंकि यह पद सीधे संरक्षा से जुड़ा है। इसके बदले में यह पद वह चीज़ देता है जो रेलवे में कम पदों को मिलती है: पूरे खंड के संचालन की समझ, और वह अनुभव जो आगे रेलवे के परिचालन विभाग में पदोन्नति का आधार बनता है। बहुत-से नियंत्रण कक्ष के कर्मी इसे रेलवे का सबसे दिलचस्प काम बताते हैं, इसी कारण कि हर दिन की स्थिति नई होती है।

कौन नौकरी देता है

- भारतीय रेल के क्षेत्रीय रेलवे — उत्तर पश्चिम रेलवे सहित, जिसका मुख्यालय जयपुर में है
- मंडल नियंत्रण कक्ष एवं परिचालन विभाग
- रेलवे के मंडल एवं क्षेत्रीय मुख्यालय
- रेलवे का परिचालन संवर्ग, जिसमें आगे की पदोन्नति होती है

माँग (2026)

गाड़ियों का संचालन निर्देशित करने वाला यह संवर्ग रेलवे के लिए अनिवार्य है और उसका काम कभी समाप्त नहीं होता, इसलिए आवश्यकता स्थायी है। इसके साथ तीन बातें ईमानदारी से जान लेनी चाहिए। पहली, संवर्ग छोटा है — सी.ई.एन. 03/2026 में सभी बोर्डों को मिलाकर 119 रिक्तियाँ, जबकि उसी अवधि की कनिष्ठ अभियंता भर्ती में 3,993 थीं। यह भर्ती हर वर्ष नहीं आती और उस पर अकेले निर्भर नहीं रहा जा सकता। दूसरी, आवेदकों की संख्या बहुत बड़ी होगी, क्योंकि योग्यता केवल स्नातक होना है और वेतन लेवल 6 है — यह संयोजन बहुत आकर्षक है। तीसरी, और सबसे महत्त्वपूर्ण, वास्तविक छँटनी चिकित्सा मानक पर होती है। ए-2 मानक कड़ा है और लेसिक अथवा दृष्टि-सुधार की शल्य क्रिया करा चुके अभ्यर्थी पूरी तरह बाहर हैं। इसका एक परिणाम यह भी है जो अभ्यर्थी के पक्ष में जाता है: जिसकी दृष्टि मानक के अनुरूप है, उसके लिए प्रतिस्पर्धा उतनी बड़ी नहीं जितनी आवेदकों की संख्या से लगती है। इसी स्नातक योग्यता से एस.एस.सी. सी.जी.एल., बैंकिंग एवं अन्य केंद्रीय भर्तियों के द्वार भी खुले रहते हैं, इसलिए तैयारी एक ही पद पर नहीं टिकती। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. सेक्शन कंट्रोलर — प्रवेश-पद, केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 6 (आरंभिक ₹35,400)
2. मुख्य नियंत्रक श्रेणी के पद — नियंत्रण कक्ष के भीतर वरिष्ठता एवं पदोन्नति द्वारा
3. परिचालन विभाग के पर्यवेक्षी पद — मंडल स्तर पर
4. राजपत्रित अधिकारी स्तर — दीर्घ सेवा एवं विभागीय चयन के माध्यम से

कमाई

शुरुआत	केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 6 — आरंभिक वेतन ₹35,400
मध्य स्तर	₹55,000 – ₹75,000 (भत्तों सहित, कुछ वर्षों की सेवा के बाद)
वरिष्ठ स्तर	₹90,000 से अधिक (भत्तों सहित, मुख्य नियंत्रक एवं उससे ऊपर)

आरंभिक आँकड़ा अनुमान नहीं है — सी.ई.एन. 03/2026 की रिक्ति-तालिका में सातवें वेतन आयोग के अनुसार लेवल 6 एवं आरंभिक वेतन ₹35,400 स्पष्ट रूप से लिखा है। यही आँकड़ा कर्मचारी चयन आयोग की वेतन-सूची तथा रेलवे की ही सी.ई.एन. 04/2026 से भी मेल खाता है — तीन स्वतंत्र स्रोत, एक ही संख्या। यह मूल वेतन है; महँगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता तथा रेलवे के भत्ते इस पर अलग से जुड़ते हैं, और पाली में काम करने से जुड़े भत्ते भी लागू होते हैं। रेलवे की कुछ सुविधाएँ वेतन में नहीं गिनी जातीं पर उनका मूल्य वास्तविक है: रेलवे कॉलोनी में आवास, रेलवे अस्पताल की चिकित्सा सुविधा, तथा कर्मचारी एवं परिवार के लिए यात्रा की सुविधा। ध्यान देने योग्य बात यह है कि यह स्तर किसी भी विषय की स्नातक डिग्री पर मिलता है, जबकि इसी लेवल का कनिष्ठ अभियंता पद तकनीकी डिप्लोमा माँगता है। एक सावधानी: पे मैट्रिक्स के स्तर की संख्या राज्य एवं केंद्र में एक जैसी नहीं होती; तुलना रुपये से करें, स्तर की संख्या से नहीं। मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक वेतन-पत्रक से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- किसी भी विषय की स्नातक डिग्री पर लेवल 6 का वेतन — गैर-तकनीकी स्नातकों के लिए यह असामान्य है
- आयु 20 से 33 वर्ष — स्नातक पूरा होने के बाद कई वर्ष का समय
- चिकित्सा मानक कड़ा होने से वास्तविक प्रतिस्पर्धा आवेदकों की संख्या से कम रहती है
- पूरे खंड के संचालन की समझ, जो परिचालन विभाग में आगे बढ़ने का आधार बनती है

चुनौतियाँ

- लेसिक अथवा दृष्टि-सुधार की शल्य क्रिया करा चुके अभ्यर्थी पूरी तरह अपात्र — यह शर्त स्थायी है
- संवर्ग बहुत छोटा — सी.ई.एन. 03/2026 में सभी बोर्डों को मिलाकर केवल 119 रिक्तियाँ
- पाली में काम एवं रात की पाली, तथा लंबी पाली में निरंतर सतर्कता की माँग
- मानसिक दबाव निरंतर — एक विलंब का असर पूरे खंड पर फैलता है

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. रेलवे भर्ती बोर्ड — सी.ई.एन. एवं अधिसूचनाएँ (अपना बोर्ड चुनें) — https://rrb.indianrailways.gov.in/

2. आर.आर.बी. अजमेर — राजस्थान को कवर करने वाला बोर्ड — https://rrb.indianrailways.gov.in/ajmer/header/overview

3. भारतीय रेल — चिकित्सा मानक (आई.आर.एम.एम. खंड-1, अध्याय 5) — https://indianrailways.gov.in/

4. आर.आर.बी. — ऑनलाइन आवेदन पोर्टल — https://www.rrbapply.gov.in/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in